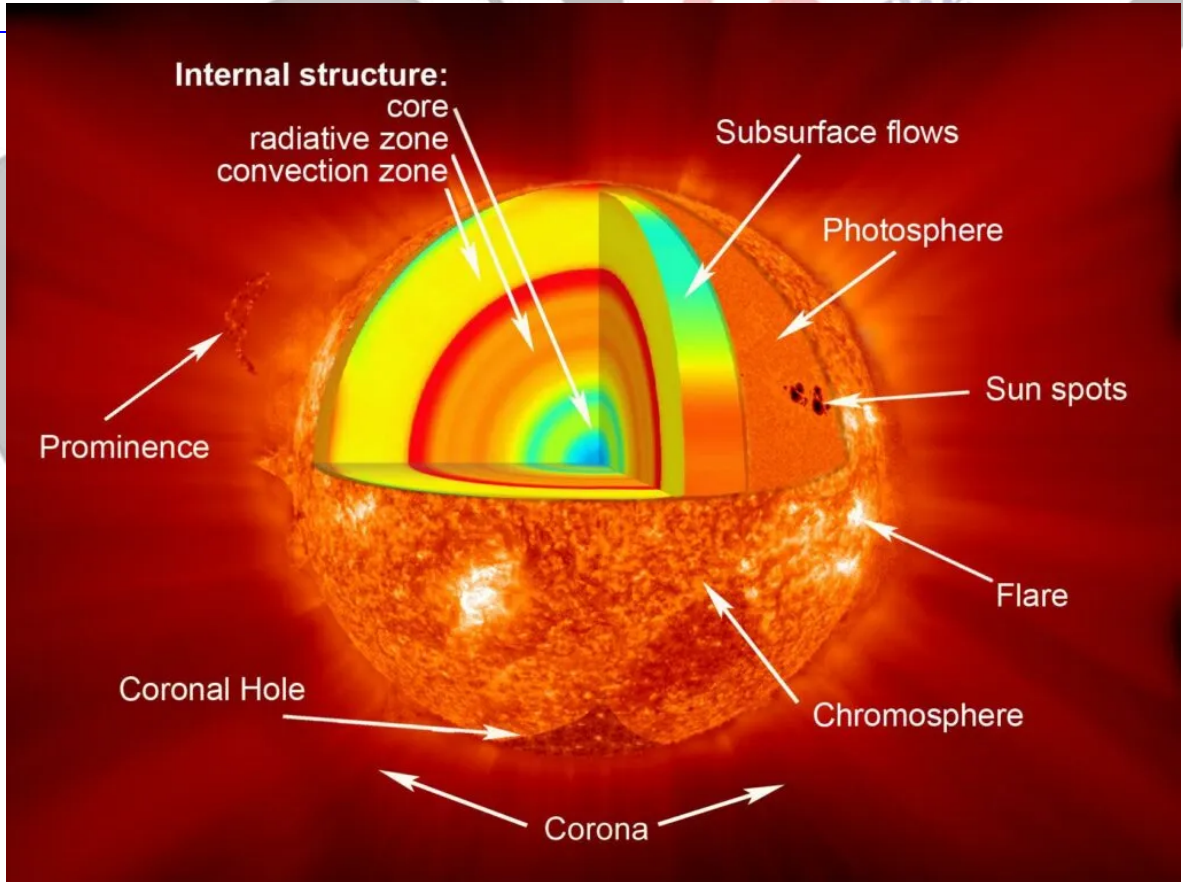


सूर्य का वभिदक घूर्णन

[स्रोत: द हट्टि](#)

सूर्य एक अद्वितीय घूर्णन पैटर्न प्रदर्शित करता है, घूर्णन गति के इस अंतर को वभिदक घूर्णन कहा जाता है, जिसमें इसके वभिन्न भाग वभिन्न गति से घूर्णन करते हैं।

- सूर्य की घूर्णन अवधि अक्षांश के अनुसार बदलती रहती है, भूमध्य रेखा क्षेत्र में एक चक्कर पूरा करने में सिर्फ 26.5 दिन, सनस्पॉट क्षेत्र (16° उत्तर) में 27.3 दिन, तथा ध्रुव क्षेत्र में 31.1 दिन लगते हैं।
 - सूर्य के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव अपनी धुरी पर ही घूर्णन करते हैं। हालाँकि, सूर्य भूमध्य रेखा पर हर 25 दिन में एक चक्कर पूरा करता है तथा पृथ्वी (सभी अक्षांशों पर एक चक्कर पूरा करने में 24 घंटे लगते हैं) की तुलना में उच्च अक्षांशों पर इसे अधिक समय लगता है, घूर्णन गति के इस अंतर को वभिदक घूर्णन कहते हैं।
 - सनस्पॉट सूर्य की सतह पर काले दिखाई देने वाले क्षेत्र हैं। यह काले इसलिए दिखाई देते हैं क्योंकि ये सूर्य की सतह के अन्य भागों की तुलना में ठंडे होते हैं।
 - सूर्य के केंद्र का तापमान 15 मिलियन डिग्री केल्विन तथा इसकी सतह का तापमान 6,000 डिग्री केल्विन है, जिससे उच्च दाब वाली गैसीय अवस्था उत्पन्न होती है, जिसे प्लाज्मा के नाम से जाना जाता है।
- व्यापक शोध के बावजूद, वभिदक घूर्णन का मूल कारण सौर भौतिकी के लिये एक अनसुलझी पहली बनी हुई है।



और पढ़ें: [सूर्य की घूर्णन गति में अक्षांशीय परिवर्तन](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/differential-rotation-of-the-sun>

